BHCC-121

स्नातक कार्यक्रम

(बी.ए. गृह विज्ञान) (FYUP)

सत्रीय कार्य (ASSIGNMENT)

जुलाई 2025 तथा जनवरी 2026 सत्रों के लिए

पाठ्यक्रम कोड: BHCC-121

मानव विकास के आधारभूत तत्त्व

सतत् शिक्षा विद्यापीठ

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

नई दिल्ली

BHCC-121: मानव विकास के आधारभूत तत्त्व

शिक्षक-चिह्नित सत्रीय कार्य (ASSIGNMENT)

जुलाई 2025 तथा जनवरी 2026 सत्रों के लिए

प्रिय विद्यार्थी,

कार्यक्रम मार्गदर्शिका में समझाया गया है कि IGNOU में मूल्यांकन दो भागों में होता है:

i) सत्रीय कार्य के माध्यम से सतत् मूल्यांकन

ii) सत्रांत परीक्षा।

अंतिम परिणाम में, सत्रीय कार्य का 30% अंक (weightage) होता है और सत्रांत परीक्षा का 70% अंक (weightage) होता है। यह सत्रीय कार्य पुस्तिका मुख्य पाठ्यक्रम BHCC-121'मानव विकास के आधारभूत तत्त्व' पाठ्यक्रम हेतु है, जो FYUP के बी.ए. गृह विज्ञान प्रथम वर्ष के कार्यक्रम का भाग है।

सत्रीय कार्य करने से पहले कार्यक्रम मार्गदर्शिका में दिए गए निर्देश अवश्य पढ़ें। यह आवश्यक है कि उत्तर अपने शब्दों में लिखें। उत्तर निर्धारित शब्द सीमा के आसपास होने चाहिए। इससे आपके लेखन कौशल और विषय की समझ दोनों ही विकसित होंगी। इससे आप सत्रांत परीक्षा के लिए भी तैयार हो जाएँगे।

** सत्रीय कार्य जमा करने के निर्देश: **

- सत्रीय कार्य नियत समय सीमा में जमा करें ताकि आप सत्रांत परीक्षा के लिए पात्र हो सकें।
- यह सत्रीय कार्य जुलाई 2025 और जनवरी 2026 सत्र के लिए मान्य है। जमा करने की अंतिम तिथियाँ इस प्रकार हैं:

सत्रीय कार्य	जमा करने की तिथि	जमा करने स्थान
सत्रीय कार्य (TMA) जुलाई 2025 सत्रों के विद्यार्थियों के लिए	31 मार्च 2026	आपके अध्ययन केंद्र के समन्वयक को
सत्रीय कार्य (TMA) जनवरी 2026 सत्रों के विद्यार्थियों के लिए	30 सितंबर 2026	आपके अध्ययन केंद्र के समन्वयक को

- आपको जमा किए गए सत्रीय कार्य की रसीद अध्ययन केंद्र से प्राप्त करनी होगी और उसे संभाल कर रखना होगा। यदि संभव हो, तो सत्रीय कार्य की एक फोटोकॉपी अपने पास रखें।
- अन्य सभी सत्रीय कार्य की तरह, इसे भी आपके अध्ययन केंद्र के समन्वयक को जमा करना होगा। आपका क्षेत्रीय केंद्र आपको अपनी वेबसाइट पर यह सत्रीय कार्य ऑनलाइन जमा करने की अनुमति दे सकता है।

कृपया अपने क्षेत्रीय केंद्र की वेबसाइट पर जाकर देखें कि ऑनलाइन जमा करने की सुविधा उपलब्ध है या नहीं।

- अध्ययन केंद्र मूल्यांकन के बाद सत्रीय कार्य आपको लौटाएगा और अंक विश्वविद्यालय को भेजेगा। कृपया सुनिश्चित करें कि आपको मूल्यांकित सत्रीय कार्य वापस मिले।

हम आपसे अपेक्षा करते हैं कि आप प्रत्येक प्रश्न का उत्तर सत्रीय कार्य में उल्लिखित प्रत्येक श्रेणी के दिशानिर्देशों के अनुसार देंगे। आपके लिए निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखना उपयोगी होगा:

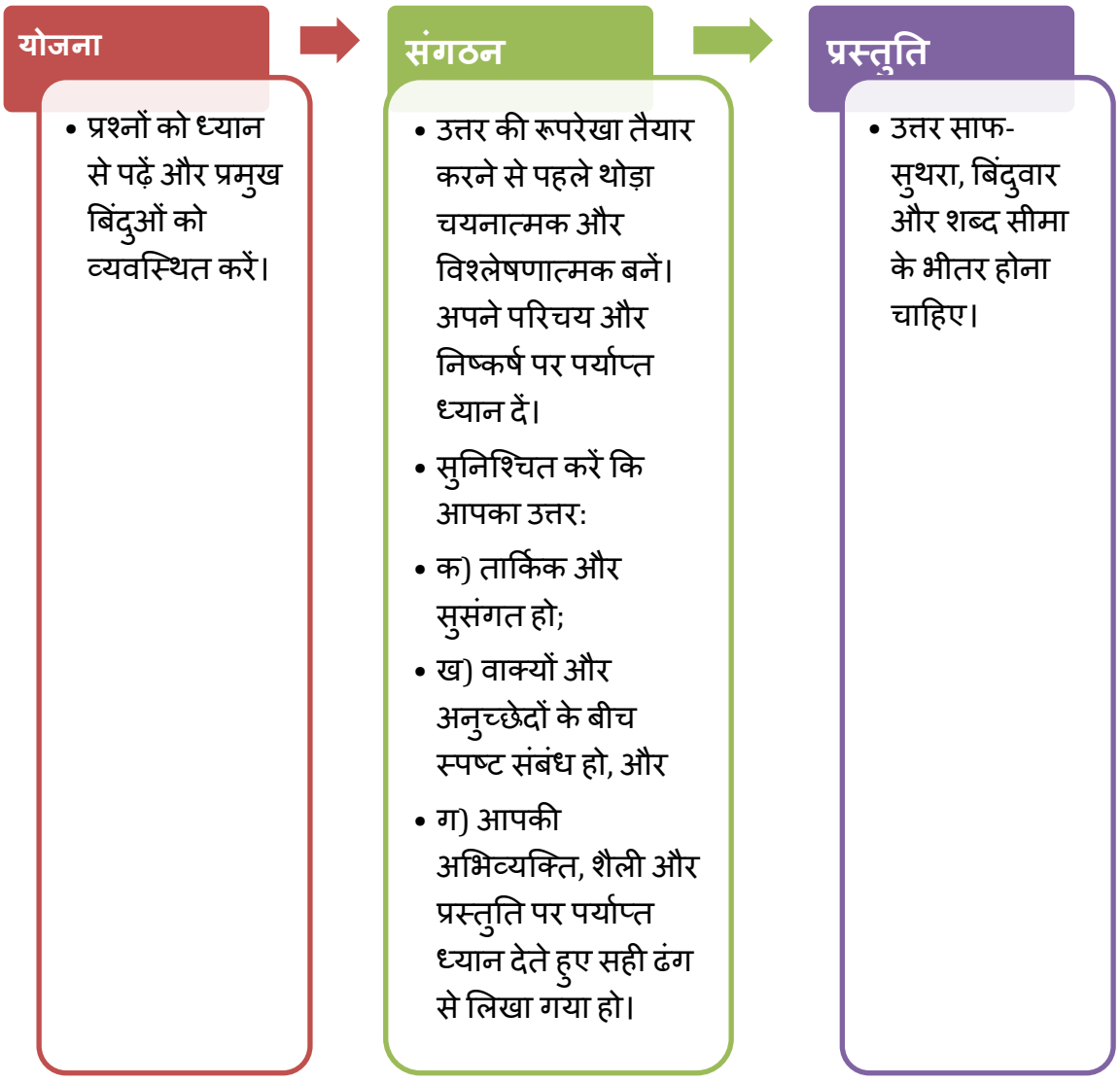

शुभकामनाओं सहित,

पाठ्यक्रम समन्वयक

BHCC-121: मानव विकास के आधारभूत तत्त्व
शिक्षक-चिह्नित सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड: BHCC-121/ASST/TMA
जुलाई 2025 – जनवरी 2026
अधिकतम अंक: 100

****नोट: किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर दें।****

सत्रीय कार्य दो खंडों 'अ' और 'ब' में विभाजित है। आपको प्रत्येक खंड से कम से कम दो प्रश्न लगभग 600 शब्दों में हल करने होंगे। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खंड – अ

1. गृह विज्ञान के अंतःविषयक स्वरूप और उसके विस्तार पर चर्चा कीजिए। यह भी स्पष्ट कीजिए कि समय के साथ इस विषय में किस प्रकार प्रतिमान-परिवर्तन (paradigm shift) हुआ है। **20**
2. मानव विकास को परिभाषित कीजिए और एक अध्ययन क्षेत्र के रूप में इसकी महत्ता का वर्णन कीजिए। विकास के प्रमुख आयामों की विस्तार से व्याख्या कीजिए। **20**
3. मानव विकास के मनोविश्लेषणात्मक तथा प्रासंगिक (contextual) दृष्टिकोणों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। फ्रायड तथा एरिक्सन द्वारा प्रस्तावित प्रमुख अवधारणाओं की तुलनात्मक विवेचना कीजिए। **20**
4. मानव विकास के व्यवहारवादी, संज्ञानात्मक तथा सूचना-संसाधन (information processing) दृष्टिकोणों के अंतर्निहित प्रमुख सिद्धांतों पर चर्चा कीजिए। **20**
5. जन्मपूर्व विकास (prenatal development) के चरणों का वर्णन कीजिए तथा मातृ-स्वास्थ्य, पोषण और पर्यावरणीय कारकों की भूमिका को उजागर करते हुए जन्मपूर्व देखभाल के महत्त्व की व्याख्या कीजिए। **20**
6. शैशव और प्रारंभिक बाल्यावस्था में स्थूल (gross) एवं सूक्ष्म (fine) क्रियात्मक कौशलों के प्रमुख मील के पत्थरों पर चर्चा कीजिए, और स्पष्ट कीजिए कि जैविक परिपक्वता, पर्यावरणीय उद्दीपन तथा अभिभावकीय सहयोग किस प्रकार प्रारंभिक क्रियात्मक विकास में विविधताओं को प्रभावित करते हैं। **20**
7. शैशव काल और टॉडलरहुड के आरम्भिक चरणों में संज्ञानात्मक विकास की प्रमुख विशेषताओं की पियाजे के सैद्धांतिक दृष्टिकोणों के संदर्भ में व्याख्या कीजिए। **20**

8. शैशव और प्रारंभिक बाल्यावस्था में सामाजिक एवं भावनात्मक विकास से जुड़े प्रमुख प्रक्रियाओं पर चर्चा कीजिए। **20**

खंड – ब

1. प्रारंभिक और मध्य बाल्यावस्था में शारीरिक एवं क्रियात्मक विकास की प्रमुख विशेषताओं की व्याख्या कीजिए। **20**
2. स्कूली शिक्षा, सामाजिक सहभागिता तथा सांस्कृतिक संदर्भ प्रारंभिक और उत्तर बाल्यावस्था में संज्ञानात्मक एवं भाषा-विकास कौशलों को किस प्रकार प्रभावित करते हैं — इसका मूल्यांकन कीजिए। **20**
3. आत्म-अवधारणा, सहकर्मी संबंध, नैतिक समझ तथा भावनात्मक विनियमन के विकास का वर्णन कीजिए, तथा यह भी विश्लेषण कीजिए कि पारिवारिक वातावरण, पालन-पोषण की शैली, विद्यालयी अनुभव तथा सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भ बच्चों के सामाजिक एवं भावनात्मक अनुकूलन को कैसे प्रभावित करते हैं। **20**
4. किशोरावस्था में वयःसंधि (puberty) से संबंधित जैविक प्रक्रियाओं पर चर्चा कीजिए, लड़कों और लड़कियों में वृद्धि- प्रतिमान तथा लैंगिक परिपक्वता के अंतर को स्पष्ट कीजिए, तथा यह भी बताइए कि ये शारीरिक परिवर्तन किशोरों के समग्र विकास और दैनिक क्रियाशीलता को किस प्रकार प्रभावित करते हैं। **20**
5. किशोरावस्था में होने वाले संज्ञानात्मक परिवर्तनों की प्रमुख सैद्धांतिक दृष्टिकोणों के संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए, । **20**
6. वयस्कता के दौरान व्यक्ति को होने वाले शारीरिक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक परिवर्तनों पर विस्तृत चर्चा कीजिए। **20**
7. सफल जरण (successful ageing) की अवधारणा को परिभाषित कीजिए तथा स्वस्थ वृद्धावस्था में योगदान देने वाले प्रमुख कारकों पर चर्चा कीजिए। **20**
8. वृद्धावस्था, मृत्यु और मरण (death and dying) के प्रति समाज की धारणाओं का परीक्षण कीजिए। **20**